भैरवी, कपाली आदि हैं। *कापालिक एवं कालमुख संप्रदाय के लोग देवी के उग्र रूप की आराधना करते हैं। *वैष्णो देवी का मंदिर देवी के सौम्य रूप का मंदिर है। *कोलकाता स्थित काली मंदिर देवी के उग्र रूप का प्रतिनिधित्व करता है। *असम का कामाख्या मंदिर देवी के काम प्रधान रूप का प्रतिनिधित्व करता है। *प्रतिहार शासक महेंद्रपाल के लेखों में दुर्गा की महिषासुरमर्दिनी, कांचनदेवी, अम्बा आदि नामों की स्तुति मिलती है। *राष्ट्रकूट शासक अमोघवर्ष महालक्ष्मी का अनन्य भक्त था। *संजन लेख से ज्ञात होता है कि उसने एक बार अपने बाएं हाथ की अंगुलि काटकर देवी को चढ़ा दिया था। *श्रीहर्ष ने अपने ग्रंथ '**नैषधीयचरित**' में सरस्वती मंत्र की महत्ता का प्रतिपादन किया। *संप्रति शाक्त उपासना के तीन प्रमुख केंद्र हैं। *ये हैं–कश्मीर, कांची तथा असम स्थित कामाख्या। *असम स्थित कामाख्या कौल मत का प्रसिद्ध केंद्र है।

शाक्त धर्म से संबंधित प्रमुख मंदिर

मंदिर	स्थान
वैष्णो देवी का मंदिर	जम्मू
विंध्यवासिनी देवी का मंदिर	विंध्याचल
चौसठ योगिनी का मंदिर	भेड़ाघाट (म.प्र.)
पार्वती मंदिर	नाचना-कुठार (म.प्र.)
कामाख्या मंदिर	असम
दक्षिणेश्वर काली मंदिर	कोलकाता

प्रश्नकोश

1. प्राचीन भारत के विश्वोत्पत्ति (Cosmogonic) विषयक धारणाओं के अनुसार, चार युगों के चक्र का क्रम इस प्रकार है–

(a) द्वापर, कृत, त्रेता और कलि
(b) कृत, द्वापर, त्रेता और कलि
(c) कृत, त्रेता, द्वापर और कलि
(d) त्रेता, द्वापर, कलि और कृत

I.A.S. (Pre) 1996

उत्तर–(c)

प्राचीन भारत की विश्वोत्पत्ति विषयक धारणाओं के अनुसार, चार युगों के चक्र का क्रम इस प्रकार है–कृत (सतयुग), त्रेता, द्वापर एवं कलियुग।

2. निम्नलिखित में से कौन-सा प्राचीन भारत में शैव संप्रदाय था?

(a) आजीवक (b) मत्तमयूर
(c) मयमत (d) ईशानशिवगुरुदेवपद्धति

I.A.S. (Pre) 1996

उत्तर–(b)

प्राचीन भारत में मत्तमयूर नामक शैव संप्रदाय का उल्लेख मिलता है।

3. अर्धनारीश्वर मूर्ति में आधा शिव तथा आधा पार्वती प्रतीक है–

(a) पुरुष और नारी का योग
(b) देवता और देवी का योग
(c) देव और उसकी शक्ति का योग
(d) उपर्युक्त किसी का नहीं

U.P.P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(c)

प्राचीन काल में अर्द्धनारीश्वर के रूप में भी शिव की कल्पना की गई, जो पुरुष एवं प्रकृति अथवा देव और उसकी शक्ति के योग को दर्शाता है। शिव और पार्वती की संयुक्त मूर्तियां गुप्त-युग में और उसके परवर्ती युग में विशेष रूप से उकेरी गईं। इसी संयोग का वर्णन कालिदास ने कुमारसम्भवम् में अत्यंत यत्नपूर्वक किया है। शिव और पार्वती का परस्पर इतना तादात्म्य हुआ कि दोनों की सन्निहित मूर्ति 'अर्द्धनारीश्वर' के रूप में समाज में चल पड़ी।

4. नयनार कौन थे?

(a) शैव (b) शाक्त
(c) वैष्णव (d) सूर्योपासक

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2006

उत्तर–(a)

पूर्व मध्यकाल में भक्ति भावना का प्रचार-प्रसार मुख्यतः दक्षिण भारत में विशेषकर तमिल भाषी क्षेत्र में हुआ। तमिल भाषी क्षेत्र में भक्ति भावना को लोकप्रिय बनाने में दो संप्रदायों की प्रमुख भूमिका रही। भगवान विष्णु की उपासना करने वाले विष्णु भक्त अलवार कहलाए और शिव की उपासना करने वाले शिव भक्त नयनार कहलाए। इन्होंने ईश्वर के प्रति व्यक्तिगत प्रेम और समर्पण से मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताया और जाति प्रथा एवं इसकी कठोरता का विरोध किया।

5. 'नयनार' कौन थे?

(a) वैष्णव धर्मानुयायी (b) शैव धर्मानुयायी
(c) शाक्त (d) सूर्योपासक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2014

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

6. **निम्नलिखित में से कौन अलवार संत नहीं था?**

(a) पोयगई (b) तिरुझान

(c) पूडम (d) तिरुमंगई

U.P. P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(b)

पोयगई, पूडम एवं तिरुमंगई अलवार संत थे, जबकि तिरुझान नयनार संत थे।

7. **भागवत संप्रदाय के विकास में किसका देन अत्यधिक था?**

(a) पार्थियन (b) हिंद-यूनानी लोग

(c) कुषाण (d) गुप्त

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर–(d)

भागवत अथवा वैष्णव धर्म का चरमोत्कर्ष गुप्त राजाओं के शासनकाल में हुआ। गुप्त नरेश वैष्णव मतानुयायी थे तथा उन्होंने इसे अपना राजधर्म बनाया था। अधिकांश गुप्त शासक 'परमभागवत' की उपाधि धारण करते थे। विष्णु का वाहन 'गरुड़' गुप्तों का राजचिह्न था।

8. **भागवत धर्म के प्रवर्तक थे–**

(a) जनक (b) कृष्ण

(c) याज्ञवल्क्य (d) सूरदास

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1993

उत्तर–(b)

परंपरानुसार भागवत धर्म के प्रवर्तक वृष्णि (सात्वत) वंशी कृष्ण थे, जिन्हें वसुदेव का पुत्र होने के कारण वासुदेव कृष्ण कहा जाता है। वे मूलतः मथुरा के निवासी थे। छांदोग्य उपनिषद में उन्हें देवकी-पुत्र कहा गया है तथा घोर अंगिरस का शिष्य बताया गया है।

9. **निम्न में से किस ग्रंथ में सर्वप्रथम देवकी के पुत्र कृष्ण का वर्णन किया गया है?**

(a) महाभारत (b) छांदोग्य उपनिषद

(c) अष्टाध्यायी (d) भागवतपुराण

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. **वासुदेव कृष्ण की पूजा सर्वप्रथम किसने प्रारंभ की?**

(a) भागवतों ने (b) वैदिक आर्यों ने

(c) तमिलों ने (d) आभीरों ने

U.P.P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(a)

वैष्णव धर्म का प्रारंभिक रूप भागवत धर्म के अंतर्गत देवकी-पुत्र भगवान वासुदेव कृष्ण के पूजन में दर्शित होता है, जो संभवतः छठीं सदी ई.पू. के पहले स्थापित हो चुका था। वासुदेव जो कृष्ण का प्रारंभिक नाम था, पाणिनि के युग में प्रचलित था। उस युग में वासुदेव की उपासना करने वाले 'वासुदेवक' (भागवत) कहे जाते थे।

11. **निम्नलिखित में से किस देवता को कला में हल लिए प्रदर्शित किया गया है?**

(a) कृष्ण (b) बलराम

(c) कार्तिकेय (d) मैत्रेय

U.P. P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर–(b)

भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप कला में हल लिए कृष्ण के भाई बलराम को प्रदर्शित किया गया है। उन्हें हलधर के नाम से भी जाना जाता है।

12. **भागवत संप्रदाय में भक्ति के रूपों की संख्या है–**

(a) 7 (b) 8

(c) 9 (d) 10

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2010

उत्तर–(c)

भागवत संप्रदाय में मोक्ष प्राप्ति के लिए नवधा भक्ति को मान्यता दी गई है।

13. **हेलियोडोरस का बेसनगर अभिलेख संदर्भित है–**

(a) संकर्षण तथा वासुदेव से

(b) संकर्षण तथा प्रद्युम्न से

(c) संकर्षण, प्रद्युम्न तथा वासुदेव से

(d) केवल वासुदेव से

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर–(d)

भागवत धर्म से संबद्ध प्रथम उपलब्ध प्रस्तर स्मारक विदिशा (बेसनगर) का गरुड़ स्तंभ है। इससे पता चलता है कि तक्षशिला के यवन राजदूत हेलियोडोरस ने भागवत धर्म ग्रहण किया तथा इस स्तंभ की स्थापना करवाकर उसकी पूजा की थी। इस पर उत्कीर्ण लेख में हेलियोडोरस को 'भागवत' तथा वासुदेव को 'देवदेवस' अर्थात 'देवताओं का देवता' कहा गया है।

14. **भागवत धर्म से संबंधित प्राचीनतम अभिलेखीय साक्ष्य है–**

(a) समुद्रगुप्त का इलाहाबाद अभिलेख

Scanned with OKEN Scanner

(b) हेलियोडोरस का बेसनगर अभिलेख

(c) स्कंदगुप्त का भितरी स्तंभलेख

(d) महरौली स्तंभ अभिलेख

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2008

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. भागवत धर्म का ज्ञात सर्वप्रथम अभिलेखीय साक्ष्य है–

(a) समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति

(b) गौतमी बलश्री का नासिक अभिलेख

(c) बेसनगर का गरुड़ स्तंभ

(d) धनदेव का अयोध्या अभिलेख

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. 'बेसनगर अभिलेख' का हेलियोडोरस कहां का निवासी था?

(a) पुष्कलावती (b) तक्षशिला

(c) साकल (d) मथुरा

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2010

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. विष्णु के किस अवतार को सागर से पृथ्वी का उद्धार करते हुए अंकित किया जाता है?

(a) कच्छप (b) मत्स्य

(c) वाराह (d) नृसिंह

U.P. U.D.A./L.D.A. (Spl.) (Pre) 2010

U.P. U.D.A./L.D.A. (Spl.) (Mains) 2010

उत्तर–(c)

भगवान विष्णु ने दैत्य राज हिरण्याक्ष का वध करने के लिए वाराह रूप धारण किया था तथा उसके चंगुल से धरती को छुड़ाया था। पौराणिक चित्रों में वाराह भगवान धरती को अपने दांतों के ऊपर संतुलित कर सागर से निकालते हुए दर्शाए गए हैं। इस अवतार में मानव शरीर पर वाराह का सिर और चार हाथ हैं, जो कि भगवान विष्णु की तरह शंख, चक्र, गदा और पद्म लिए हुए दैत्य हिरण्याक्ष से युद्ध कर रहे हैं। अवतार क्रम में यह विष्णु का तीसरा अवतार माना गया है। अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

18. भारत में आस्तिक और नास्तिक संप्रदायों में कौन-सा विभेदक लक्षण है?

(a) ईश्वरी सत्ता में आस्था

(b) पुनर्जन्म के सिद्धांत में आस्था

(c) वेदों की प्रामाणिकता में आस्था

(d) स्वर्ग तथा नरक की सत्ता में विश्वास

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर–(c)

रामूर्ति पाठक (भारतीय दर्शन की समीक्षात्मक रूपरेखा) के अनुसार, आस्तिक और नास्तिक संप्रदाय के वर्गीकरण का आधार कभी 'वेद-प्रमाण्य में विश्वास रहा' है, तो कभी 'ईश्वर की सत्ता में विश्वास'। 'परलोक की मान्यता' भी इस वर्गीकरण का आधार रही है। किंतु 'वेद-प्रमाण्य में विश्वास' ही इस वर्गीकरण का सर्वसम्मत आधार बना। अर्थात आस्तिक संप्रदाय वे हैं, जो वेदों की प्रामाणिकता को मानते हैं तथा नास्तिक संप्रदाय वे हैं, जो वेदों की प्रामाणिकता को नहीं मानते हैं। अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

19. निम्नलिखित में से कौन मोक्ष के साधन के रूप में ज्ञान, कर्म तथा भक्ति को समान महत्व देता है?

(a) अद्वैत वेदांत

(b) विशिष्टाद्वैतवाद वेदांत

(c) भगवद्गीता

(d) मीमांसा

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर–(c)

गीता में ज्ञान, कर्म तथा भक्ति को समान महत्व दिया गया है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा निम्नलिखित श्लोक में इन तीनों का महत्व प्रतिपादित किया गया है–

ये तु सर्वाणि कर्माणि मयि संन्यस्य मत्पराः ।
अनन्येनैव योगेन मां ध्यायन्त उपासते ॥
तेषामहं समुद्धर्ता मृत्युसंसार सागरात् ।
भवामि नचिरात्पार्थ मय्यावेशितचेतसाम् ॥

श्लोक के माध्यम से कर्म, भक्ति तथा ज्ञान की महत्ता को प्रतिपादित किया है। जबकि अद्वैत वेदांत में शंकराचार्य ने केवल ब्रह्म को सत्य माना है, ईश्वर को नहीं। वेदांत में केवल भक्ति की प्रधानता है तथा विशिष्टाद्वैतवाद वेदांत में भी केवल भक्ति को महत्व दिया गया है। मीमांसा केवल कर्म का प्रतिपादन करता है।

20. अधोलिखित में से कौन एक गीता की मुख्य शिक्षा है?

(a) कर्मयोग (b) ज्ञानयोग

Scanned with OKEN Scanner

(c) भक्तियोग (d) निष्काम कर्मयोग

(e) अस्पर्श योग

Chhattisgarh P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर–(d)

गीता का कर्मयोग निष्काम कर्मयोग है। निष्काम कर्मयोग का अर्थ है कि हम कर्म को सदैव साध्य के रूप में देखें, उसे कभी भी साधन के रूप में न ग्रहण करें। हम कर्म तो करें, किंतु कर्म फल में आसक्ति न रखें। गीता के निष्काम कर्मयोग में ज्ञान, भक्ति एवं कर्म का समन्वय होता है। गीता की मुख्य शिक्षा निष्काम कर्मयोग का आदेश है। गीता स्वयं विभिन्न योगमार्गों का तुलनात्मक अध्ययन करके निष्काम कर्मयोग की श्रेष्ठता को स्वीकार करती है। आधुनिक युग में लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी आदि विचारकों ने कर्मयोग विशेषत: निष्काम कर्मयोग को ही गीता की मुख्य शिक्षा स्वीकार किया है।

21. भारतीय संस्कृति में निम्न में से किसे अनंग कहा गया है?

(a) शिव (b) कृष्ण

(c) काम (d) लक्ष्मण

(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

भारतीय संस्कृति में अनंग कामदेव को कहा जाता है। कामदेव को हिंदू शास्त्रों में प्रेम और काम का देवता माना गया है, जिनकी पत्नी रति हैं। इनके अन्य नाम मार, कंदर्प, मन्मथ आदि हैं।

22. निम्नांकित में से कौन 'प्रस्थानत्रयी' में सम्मिलित नहीं है?

(a) भागवत (b) भगवद्गीता

(c) ब्रह्मसूत्र (d) उपनिषद

U.P.P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(a)

उपनिषद, ब्रह्मसूत्र और भगवद्गीता को वेदांत की 'प्रस्थानत्रयी' कहा जाता है, क्योंकि ये वेदांत के सर्वप्रमुख ग्रंथ हैं। इनमें भी उपनिषद मूल प्रस्थान है और शेष दो उन पर आधारित माने जाते हैं। वेदांत के आचार्यों में, जिन्होंने ब्रह्मसूत्र पर भाष्य लिखकर, अपने-अपने वेदांत संप्रदायों की प्रतिष्ठा की है, उनमें शंकराचार्य सबसे प्राचीन हैं।

23. वह प्राचीन स्थल जहां 60,000 मुनियों की सभा में संपूर्ण महाभारत-कथा का वाचन किया गया था, है -

(a) अहिच्छत्र (b) हस्तिनापुर

(c) काम्पिल्य (d) नैमिषारण्य

U.P.P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर–(d)

उ.प्र. के सीतापुर जनपद के नैमिषारण्य में 60,000 मुनियों का निवास माना जाता है। यहीं पर सूत गोस्वामी ने शौनक एवं अन्य मुनियों के समक्ष संपूर्ण महाभारत कथा का वाचन तब किया था, जब वे यज्ञ संपन्न कर रहे थे। इसके पूर्व महाभारत कथा का वाचन वैषम्पायन ने राजा जनमेजय के लिए किया था।

24. रामायण के किस कांड में राम और हनुमान की पहली भेंट का वर्णन है?

(a) किष्किन्धा कांड (b) सुंदर कांड

(c) बाल कांड (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. P.C.S. (Mains) 2004

उत्तर–(a)

रामायण के रचयिता वाल्मीकि थे। संस्कृत भाषा में रचित इस आदि काव्य में कुल 7 कांड (अध्याय) हैं। इसका चौथा कांड किष्किन्धा कांड है, जिसमें राम और हनुमान की भेंट तथा बालि-वध एवं सुग्रीव के वानर शासक बनने का वर्णन है।

25. कालिका पुराण किस धर्म से संबंधित है?

(a) वैष्णव (b) शाक्त

(c) बौद्ध (d) जैन

M.P.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(b)

कालिका पुराण शाक्त धर्म से संबंधित है। कालिका पुराण को 'कालि पुराण या सती पुराण' भी कहा जाता था। यह हिंदू धर्म की शाक्तवाद परंपरा में अट्ठारह पुराणों में से एक है।

26. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

सूची-I (देवता)		सूची-II (पहचान)
A. शिव	1.	चक्र
B. विष्णु	2.	त्रिशूल
C. गणेश	3.	वीणा
D. सरस्वती	4.	रस्सी या फंदा

	A	B	C	D
(a)	4	3	1	2
(b)	2	1	4	3
(c)	1	2	3	4
(d)	3	2	1	4

U.P. P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

सही सुमेलन निम्नवत है–

सूची-I		सूची-II
देवता		पहचान
शिव	–	त्रिशूल
विष्णु	–	चक्र
गणेश	–	रस्सी या फंदा
सरस्वती	–	वीणा

27. पुरी में 'रथयात्रा' किसके सम्मान में निकाली जाती है?

(a) भगवान राम के (b) भगवान विष्णु के
(c) भगवान जगन्नाथ के (d) भगवान शिव के

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर–(c)

प्रति वर्ष आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष में ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ (कृष्ण), बलराम और सुभद्रा के सम्मान में रथयात्रा निकाली जाती है।

28. नासिक में कुंभ मेला निम्न में किस एक नदी के तट पर लगता है–

(a) ताप्ती नदी (b) नर्मदा नदी
(c) कोयना नदी (d) गोदावरी नदी

U.P. P.C.S. (Mains) 2003

उत्तर–(d)

नासिक में प्रत्येक 12 वर्ष के अंतराल पर कुंभ मेला गोदावरी नदी के तट पर लगता है। कुंभ मेला नासिक के अतिरिक्त हरिद्वार में गंगा तट पर, प्रयाग में गंगा और यमुना (एवं विलुप्त सरस्वती) के संगम स्थल पर तथा उज्जैन में क्षिप्रा नदी के तट पर लगता है।

29. सूची-I तथा सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I	सूची-II
A. जैन धर्म	1. मदीना
B. हिंदू धर्म	2. वेटिकन
C. इस्लाम धर्म	3. पावापुरी
D. ईसाई धर्म	4. वाराणसी

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	1	4	2
(b)	1	2	4	3
(c)	3	4	1	2
(d)	2	3	1	4

M.P.P.C.S. (Spl.) (Pre) 2004

उत्तर–(c)

सूची-I और सूची-II का सही सुमेलन है–

सूची-I		सूची-II
जैन धर्म	–	पावापुरी
हिंदू धर्म	–	वाराणसी
इस्लाम धर्म	–	मदीना
ईसाई धर्म	–	वेटिकन

मदीना (Medina) पश्चिमी सऊदी अरब के हेजाज क्षेत्र (Hejaz Region) में स्थित शहर है। यह मक्का के बाद इस्लाम धर्म का दूसरा पवित्रतम शहर है।
वेटिकन सिटी इटली में स्थित स्थलरुद्ध संप्रभु देश है। इसका कुल क्षेत्रफल मात्र 44 हेक्टेयर है, जो विश्व का सबसे छोटा (जनसंख्या एवं क्षेत्रफल दोनों में) स्वतंत्र देश है। यह रोम के बिशप (Bishop of Rome), जिन्हें पोप भी कहा जाता है, के द्वारा शासित है। इसे रोमन कैथोलिक चर्च की राजधानी के रूप में भी जाना जाता है।
पावापुरी बिहार राज्य में स्थित जैनियों का पवित्रतम तीर्थ स्थल है। जैन धर्म के संस्थापक महावीर स्वामी की मृत्यु 527 ई.पू. में यहीं पर हुई थी। वाराणसी (जिसे बनारस के नाम से भी जाना जाता है) गंगा नदी के बाएं तट पर स्थित हिंदुओं का पवित्र तीर्थ स्थल है। यह प्राचीन काल से ही शिक्षा एवं संस्कृति का प्रमुख केंद्र रहा है।

छठी शती ई.पू.-राजनीतिक दशा

नोट्स

***बौद्ध ग्रंथ अंगुत्तरनिकाय** से ज्ञात होता है कि गौतम बुद्ध के जन्म के पूर्व प्राचीन भारत 16 बड़े राज्यों में विभाजित था। *इन्हें **'सोलह (षोडश) महाजनपद'** कहा गया है। *इन सोलह महाजनपदों के नाम हैं–कोशल, काशी, मगध, अंग, वज्जि, चेदि, मल्ल, वत्स, कुरु, पांचाल, मत्स्य, शूरसेन, कम्बोज, अवंति, अस्सक (अश्मक) तथा गांधार। ***जैन ग्रंथ 'भगवतीसूत्र' में भी इन 16 महाजनपदों** के नाम मिलते हैं, किंतु इसमें कुछ नाम भिन्न दिए गए हैं। *इसमें प्राप्त सोलह महाजनपदों के नाम हैं–अंग, बंग, मलय, अच्छ, वच्छ (वत्स), मगह (मगध), मालव, कोच्छ, लाढ़, मोलि (मल्ल), कोशल, काशी, पाढ़, सम्भुत्तर (सुमहोत्तर) अवाहा एवं बज्जि (वज्जि) *बिहार के वर्तमान भागलपुर तथा मुंगेर के जिले **अंग** महाजनपद के अंतर्गत थे। *इसकी राजधानी **चंपा** थी। *महाभारत तथा पुराणों में इसका प्राचीन नाम **'मालिनी'** प्राप्त होता है। *बुद्ध के समय भारत के छः महानगरों में चंपा की गणना की जाती थी। ***महापरिनिर्वाणसूत्र में इन छः महानगरों के नाम** प्राप्त होते हैं। ये हैं–**चंपा, राजगृह, बनारस, साकेत, कौशाम्बी तथा श्रावस्ती।** ***वैशाली के लिच्छवियों ने विश्व का पहला गणतंत्र स्थापित** किया था। *सुत्तनिपात में वैशाली को **'मगधम् पुरम'** कहा गया है।

Scanned with OKEN Scanner